केंद्रीय विद्यालय सूरानुस्सी,जालंधर

KENDRIYA VIDYALAYA SURANUSSI, JALANDHAR

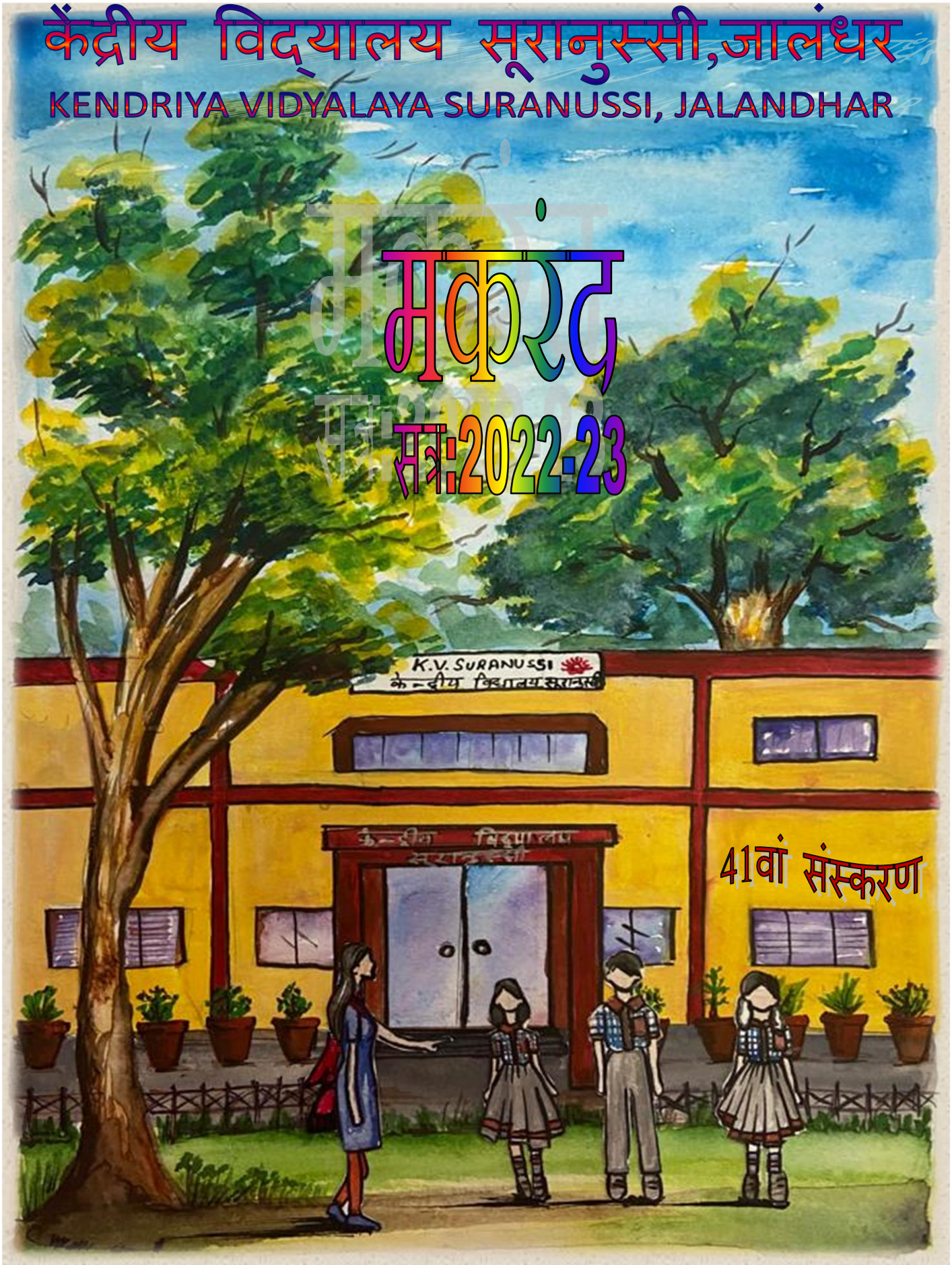

मकरंद

सत्र:2022-23

41वां संस्करण

संदेश

हर्ष का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय सुरानुस्सी सत्र 2022-23 के लिए अपने विद्यालय पत्रिका के वार्षिक अंक का प्रकाशन करने जा रहा है।

विद्यालय पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने भीतर छिपी हुए सृजनात्मक शक्ति एवं कल्पनाशीलता की अभिव्यक्ति का विशेष अवसर मिलता है। विद्यालय पत्रिका, विद्यालय की शैक्षणिक एवं शिक्षेतर गतिविधियों और उपलब्धियों का दर्पण है एवं इसके माध्यम से सभी हित धारकों को विद्यालय द्वारा वर्ष भर में निष्पादित किए गए कार्यों की विविधता एवं गुणवता को जानने का मौका मिलता है ।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मैं, प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय सुरानुस्सी को उनके कुशल दिशा निर्देशन, संपादक मंडल को उनके अथक सहयोग एवं विद्यार्थियों को उनके सृजनात्मक कौशल हेतु साधुवाद प्रेषित करती हूँ ।

सभी को अनंत शुभकामनाएं ।

प्रीति सक्सेना

उपायुक्त

कर्नल विनीत तिवारी
समादेशक
Col Vineet Tewari
Commandant
Tele Mil : 5101 (O)
Tele Mil : 5102 (R)
Tele Mil : 5151 (Ascon)
Fax : 0181-2670889
Civ Ex. : 0181-2670806

२२३ अग्रिम स्थाई आयुद्ध भंडार
पिन ९०११९७
मार्फ्त ५६ ए पी ओ
223 Adv Base Ord Depot
PIN : 901197
C/o 56 APO

BEST ROD
2000, 2013 & 2015

BEST
AUTOMATED DEPOT
1999, 2001, 2010 & 2022

21 Sep 2023

MESSAGE FROM CHAIRMAN

Dear Readers,

1. It gives me immense pleasure to note that Kendriya Vidyalaya Suranussi is publishing 41th edition of its School Magazine "Vidyalaya Patrika" for the Academic Session 2022-23.

2. As we are passing through the academic year 2023-24, I am sure that KV Suranussi will continue upholding its tradition of value based learning. The school with its dedicated staff will cater for the needs of the learners of today and shape them into a global citizen capable of meeting any challenges, without losing out on the values. The school shall continue to lead the way in academic, sports and other curriculum. This year will also incl est of Balvatika under New Education Policy which will be a new milestone.

3. On this occasion, I extend my greetings and best wishes to the School as well as the students and I am sanguine that the School will continue to achieve even greater heights in the time to come.

Jai Hind.

Vineet Tewari
Colonel
Commandant, 223 ABOD
& Chairman VMC

प्राचार्य की कलम से...

केंद्रीय विद्यालय सूरानुस्सी की विद्यालय पत्रिका का नवीनतम अंक आपके सम्मुख समर्पित है। नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में वर्तमान शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन हो रहे हैं। विद्यालयी शिक्षा और अधिक रोचक, बहु-आयामी, 21वीं सदी के कौशल एवं गतिविधि आधारित हो रही है। हमारे विद्यालय में सत्र 2022-23 में आयोजित विभिन्न गतिविधियों को प्रदर्शित करती यह पत्रिका जहां विद्यालय की शैक्षिक, खेलकूद एवं विभिन्न पाठ्य-सहगामी गतिविधियों का दर्पण है वहीं नन्हें कलमकारों की कलप्ना को शब्दों के पंख लगा उडने के लिये एक अवसर भी।

विद्यार्थियों के लेखन कौशल के विकास में विद्यालय पत्रिका की अहम भूमिका होती है। सुनना, बोलना, पढना और लिखना; सीखने का यह क्रम व्यक्तित्व विकास की सीढी है। बच्चे अच्छा सुनेंगे, तो अच्छा बोलेंगे और अच्छा पढेंगे तो अच्छा लिखेंगे। मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति की कुशलता सदैव ही सफलता की प्रथम आवश्यकता है। अपनी कलम से इस पत्रिका में अपना योगदान देने वाले बाल लेखकों को शुभकामनायें।

विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन में छात्रों को प्रेरित करने एवं उनका मार्गदर्शन करने वाले समस्त अध्यापकों एवं सम्पादक मंडल को इस प्रकाशन हेतु साधुवाद।

(डॉ. पालीशाह)
प्राचार्य,
केवि सूरानुस्सी।

उप प्राचार्य का संदेश

छात्र-छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने और उसमें निखार लाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम है विद्यालय पत्रिका । तमाम तरह की शैतानी करने वाले बच्चों को यदि रचनात्मकता की दिशा में मोड़ दिया जाये तो वे बड़ी आसानी से अपनी मंज़िल की ओर अग्रसर हो जाते हैं। बच्चों को अपनी मौलिक अभिव्यक्ति के लिए पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए तभी वे अपने मन की बात लिखना सीख सकेंगे। बच्चों की रचनाओं में अपरिपक्वता तो रहती ही है परन्तु यह अपरिपक्वता ही उनको मौलिकता का परिचायक है। विद्यालय पत्रिका का वार्षिक प्रकाशन विद्यालय की उपलब्धियों एवं वर्षभर होने वाले कार्यक्रमों का प्रतिविम्ब है। इसमें सभी छात्रों को अपने मौलिक लेख एवं रचनाएँ लिखने को प्रेरित किया गया है मुझे विश्वास है कि इसमें प्रकाशित कविताएँ, लेख, कहानियाँ एवं अन्य ज्ञानवर्धक बातें आपके लिए प्रेरणास्रोत रहेंगी।

मै केन्द्रीय विद्यालय संगठन के समस्त पदाधिकारियों एवं विद्यालय के प्राचार्य का उनके मार्गदर्शन एवं सतत् सहयोग के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ एवं संपादक मण्डल के सभी सदस्यों एवं समस्त विद्यार्थियों, प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सक्रिय शिक्षकों और विद्यालय परिवार के सदस्यों के प्रति विशेष आभार प्रकट करता हूँ जिनके अथक प्रयासों से इस विद्यालय पत्रिका प्रकाशन का कार्य समयानुसार पूर्ण हुआ।

ओम प्रकाश
(उप प्राचार्य)

संपादकीय मंडल

PATRON: DR. PALISHAH, PRINCIPAL

CHIEF EDITOR: SH. OM PRAKASH, VICE PRINCIPAL

EDITOR HINDI SECTION: MR. VIJAY KUMAR, TGT (HINDI)

MR. VISHAL KUMAR, TGT (HINDI)

EDITOR ENGLISH SECTION: MRS. SUNITA SAMRA, PGT (ENGLISH)

MRS. BABITA KAUSHAL, TGT (ENGLISH)

MRS. NIDA AKHTAR, TGT (ENGLISH)

EDITOR SANSKRIT SECTION: MR. KUNAL BHARDWAJ, TGT (SANSKRIT)

EDITOR PRIMARY SECTION: MRS. SANGEETA, PRT (ART)

MS. ANSHU, PRT (HINDI)

MRS RINKY NEGI, PRT (ENGLISH)

MRS. POONAM, PRT (HINDI)

EDITOR ART SECTION: MRS. POONAM MAHAJAN, TGT (ART EDU.)

COMPILED BY: MRS. MANPREET KAUR, COMPUTER INSTRUCTOR (SEC.)

MR. MINTU, COMPUTER INSTRUCTOR (PRT)

STUDENT EDITORS:

1. KHUSHBOO VERMA XII-C 2. TWINKLE XII-B 3.ADITYA BHAGAT- XI-C

4. ISHANI- IV-B 5. MANASWINI- III-A

STAFF LIST (स्टाफ सूची)

क्र.सं. S.NO	नाम/ NAME	पद/ DESIGNATION
1.	डॉ पालीशाह Dr. Palishah	प्राचार्या PRINCIPAL
2.	श्री ओम प्रकाश Mr. Om Prakash	उप प्रधान अध्यापक Vice Principal
3.	श्रीमती गुरविंदर कौर Ms. Gurvinder Kaur	पीजीटी (रसायन विज्ञान) PGT (Chemistry)
4.	श्री रशपाल सिंह Mr. Rashpal Singh	पीजीटी (अर्थशास्त्र) PGT(Eco)
5.	श्रीमती सुनीता समरा Ms Sunita Samra	पीजीटी (अंग्रेजी) PGT (English)
6.	श्रीमती अमृतदीप कौर रत्तन Ms Amritdeep Kaur Rattan	पीजीटी (वाणिज्य) PGT (Comm)
7.	श्री सुनील कुमार Mr. Sunil Kumar	पीजीटी (कंप्यूटर साइंस) PGT(Comp.Science)
8.	श्री मलकिअत सिंह Mr. Malkiat Singh	पीजीटी(जीव विज्ञान) PGT(Bio)
9.	श्री अनिल कुमार Mr. Anil Kumar	पीजीटी (गणित) PGT (Maths)
10.	श्री नवीन कुमार Mr. Naveen Kumar	पीजीटी (भौतिकी) PGT(Physics)
11.	श्रीमती स्वाति Ms. Swati	पीजीटी (इतिहास) PGT (History)

Trained Graduate Teachers/प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक

क्र.सं.S. NO	नाम/ NAME	पद/ DESIGNATION
1.	श्री सतवीर सिंह Mr. Satvir Singh	टीजीटी (सामाजिक विज्ञान) TGT (S.Sc)
2.	श्रीमती बबीता कौशल Ms. Babita Kaushal	टीजीटी (अंग्रेजी) TGT (English)
3.	श्री सुरजीत कुमार Mr. Surjit Kumar	टीजीटी (अंग्रेजी) TGT (English)
4.	श्रीमती कुलदीप कौर Ms. Kuldeep kaur	टीजीटी (विज्ञान) TGT (Sc.)
5.	श्री विजय कुमार Mr. Vijay Kumar	टीजीटी (हिंदी) TGT (Hindi)
6.	श्री मोहम्मद असलम Mohamad Aslam	टीजीटी (गणित) TGT (Maths)
7.	श्री विशाल Mr. Vishal	टीजीटी (हिंदी) TGT (Hindi)
8.	श्रीमती शालिनी Ms. Shalini	टीजीटी (गणित) TGT(Maths)
9.	श्रीमती हर्षा कंवर Ms. Harsha Kanwar	टीजीटी (गणित) TGT (Maths)
10.	श्रीमती अंकिता सिंह Ms Ankita Singh	टीजीटी (डब्ल्यू ई) TGT (W.E)
11.	श्रीमती दीपिका शर्मा Ms. Deepika Sharma	टीजीटी (जीव विज्ञान) TGT(BIO)
12.	श्रीमती पूनम महाजन Ms. Poonam Mahajan	टीजीटी (कला) TGT (Art Education)
13.	सुश्री शिवानी Ms Shivani	टीजीटी (पुस्तकालय) TGT (Lib)
14.	श्रीमती अर्चना Ms Archana Kumari	टीजीटी (हिंदी) TGT (Hindi)
15.	श्री कुणाल भारद्वाज Mr. Kunal Bhardwaj	टीजीटीसंस्कृत TGT (Sanskrit)
16.	सुश्री प्रिया यादव Ms Priya Yadav	टीजीटी सामाजिक विज्ञान TGT (Social Science)
17.	श्रीमती निदा अख़्तर Ms. Nida Akhtar	टीजीटी (अंग्रेजी) TGT (English)

Primary Teachers/ प्राथमिक शिक्षक

क्र.सं. S.NO	नाम/ NAME	पद/ DESIGNATION
1.	श्री विजय कुमार Mr. Vijay Kumar	मुख्य अध्यापक Head Master
2.	श्रीमती गुलराज कौर Ms. Gulraj Kaur	पीआरटी /PRT
3.	श्रीमती कांता देवी Ms. Kanta Devi	पीआरटी /PRT
4.	श्रीमती सुनीता सेठी Ms. Sunita Sethi	पीआरटी /PRT
5.	श्रीमती पिंकी महारानियाँ Ms.Pinki Maharania	पीआरटी /PRT
6.	श्रीमती रूपम Ms. Roopam	पीआरटी /PRT
7.	श्रीमती रिंकी नेगी Ms. Rinky Negi	पीआरटी /PRT
8.	सुश्री अंशु Ms. Anshu	पीआरटी /PRT
9.	सुश्री हर्शी लाम्बा Ms. Harshi Lamba	पीआरटी /PRT
10.	श्रीमती भावना सैनी Ms. Bhawna Saini	पीआरटी /PRT
11.	श्रीमती मंजू Ms. Manju	पीआरटी(संगीत) PRT(Music)
12.	श्री लवनीश सैनी Mr.Lovenish Saini	पीआरटी /PRT
13.	श्रीमती आशा रानी Ms .Asha Rani	पीआरटी /PRT
14.	श्रीमती पूनम कुमारी Ms. Poonam Kumari	पीआरटी /PRT
15.	श्रीमती प्रिया रानी Ms. Priya Rani	पीआरटी /PRT
16.	श्रीमती निधि गुप्ता Ms. Nidhi Gupta	पीआरटी /PRT
17.	श्रीमती रीना Ms. Reena	पीआरटी /PRT
18.	श्री प्रदीप पंघाल Mr. Pardeep Panghal	जे . एस. ए/ J S A

अंशकालीन अनुबंधित अध्यापक/Contractual Teachers

क्र.सं.S. NO	नाम/ NAME	पद/ DESIGNATION
1.	सुश्री प्रवीण प्रवीन कुमारी Ms. Praveen Kumari	पीजीटी (राजनीतिक विज्ञान) PGT(POl. Sci.)
2.	श्रीमती प्रेमलता Ms. Premlata	टीजीटी (हिंदी) TGT (Hindi)
3.	श्रीमती मनजीत कौर Ms Manjeet Kaur	टीजीटी पंजाबी) TGT (Punjabi)
4.	श्रीमती पपिंदर कौर Ms. Papinder kaur	टीजीटी(सामाजिक विज्ञान) TGT (S.Sc)
5.	श्रीमती मनप्रीत कौर Ms. Manpreet Kuar	संगणक प्रशिक्षिका Computer Instructor(TGT)
6.	श्रीमती राजविंदर कौर Ms Rajwinder Kaur	परामर्शदात्री Counsellor
7.	श्रीमती पूजा कुमारी Ms. Pooja Kumari	पीआरटी /PRT
8.	श्रीमती गुरप्रीत कौर Ms. Gurpreet Kaur	पीआरटी /PRT
9.	श्री मिन्टू Mr. Mintu	संगणक प्रशिक्षक पीआरटी /PRT
10.	सुश्री दीपिका यादव Ms. Deepika Yadav	पीआरटी /PRT
11.	श्रीमती सरबजीत कौर Ms. Sarabjeet Kaur	पीआरटी /PRT (ECCE)
12.	श्रीमती संदीप कौर Ms. Sandeep Kaur	पीआरटी /PRT
13.	सुश्री ज्योति मान Ms. Jyoti Maan	पीआरटी /PRT
14.	श्रीमती रमा केशव Ms. Rama Yadav	विशेष शिक्षक Special Educator
15.	सुश्री सुमन बाला Ms. Suman Bala	चिकित्सा सहायिका Nurse
16.	श्री नरिंदर शर्मा Mr. Narinder Sharma	खेल प्रशिक्षक
17.	सुश्री निशा शर्मा Ms. Nisha Sharma	खेल प्रशिक्षिका
18.	श्रीमती ज़ेन्वी Ms. Zenvi	तथ्य दाखिला प्रचालक Data Entry Operator

सब स्टाफ/Sub-Staff

क्र.सं.S.NO	नाम/ NAME	पद/ DESIGNATION
1.	शंकर दास	सब स्टाफ
2.	गोपाल लाल	सब स्टाफ
3.	ख़ुशी राम	सब स्टाफ
4.	राजिंदर कुमार	सब स्टाफ

“शिक्षक के बगैर आप सभ्य और समृद्ध समाज की कल्पना नहीं कर सकते।”

"शिक्षक वो मार्गदर्शक है जो आपके जीवन का मार्ग सुगम बनाते है ।"

REPORTS OF VIDYALAYA ACTIVITIES & ACHIEVEMENTS

ACADEMICS

Blessed with Band of efficient and experienced staff, the Vidyalaya maintained its reputation of providing quality and excellent results.

CLASS- X	CLASS- XII
Total students Appeared=125 Passed = 125 Result = 100% PI= 51.32	Total students Appeared =135 Passed = 131 Result = 97.03% PI= 55.85

OUR PRIDE / SHINING STARS

ACHIEVERS IN NEET/JEE (MAINS)2023

KAMP-2022-23

KAMP -NATIONAL ASSESSMENT FOR SCIENTIFIC TEMPERAMENT & APTITUDE (NASTA) Exam was held in office mode in the Vidyalaya on 19, 20 and 21st January 2023 for students of classes (V-XII).Fifty six students appeared in this exam and all of them got Participation Certificate for the same.

BHARAT SCOUT & GUIDES

The Bharat Scouts and Guides is the National Scouting & Guiding association of India, which instills a sense of responsibility and trustworthiness among students and provide them the individual opportunities for developing initiative and leadership quality that promotes self-control.There were 72 Scouts, 42 Cubs, 45 Guides & 35 Bulbuls registered and were trained by 6 Scout Masters and 8 Guide Captains to face - Tritya Sopan Testing Camp held at KV No1. Patiala. w.e.f 29 August 2022- 31August, 2022.

SCOUTS & GUIDES ACHIEVEMENTS

Throughout the year the Scouts & Guides went through different Testing Camps & Sopans which are following:

No. of	Total	Pravesh	Pratham	Dwitya	Tritya	Rajya
Scouts	72	24	19	15	14	--
Guides	45	10	17	11	7	-
Cubs	42	42	-	-	-	-
Bulbul	36	35	1 Hirak pankh			

Best Guide-Jaskirat Singh VIII-A

Best Scout -Akashvir Negi VIII-C

KALA UTSAV 2022-23(ART)

Sr. No.	NAME	CLASS	EVENT	LEVEL	POSITION
1	ADITYA BHAGAT	X-B	3D SCULPTURE	REGIONAL	1ST
2	ADITYA BHAGAT	X-B	3D SCULPTURE	CLUSTER	1ST
3	KASHISH SHARMA	XII-B	INDIGENOUS TOYS	REGIONAL	1ST
4	KASHISH SHARMA	XII-B	INDIGENOUS TOYS	CLUSTER	1ST

PRE-VOCATIONAL EDUCATION PROGRAMME

(10 days Bagless days for classess I-VII)

Pre-vocational education programme is integrated with the general education experts for demonstrating the importance of reducing the boundaries between various subjects through vocational education. Students of Class I were enrolled for PYEP under NEP 2020 and were given hands on experience of a sample of important vocational courses such as gardening work, tie and dye, art and craft, electric work etc. All students participated in 10 days bagless period with local experts. Following activities were adopted and conducted by the school.

- Gardening (2 days)
- Electric work
- Tie and dye
- Lippon Art
- Knitting and Stitching
- Bottle Craft (2 days)
- Mural painting
- Paper craft

Gardening (2 days)

Electric work

Tie and dye

Knitting & Stitching

Lippon Art

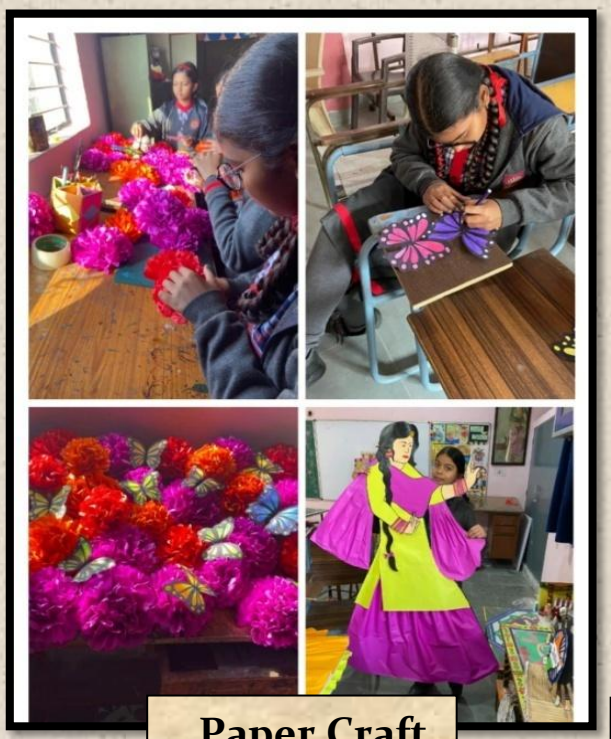

Paper Craft

Mural Painting

Bottle Craft

योग दिवस व गतिविधियाँ

खेल गतिविधियाँ (2022-23)

1. At school level International Yoga Day was celebrated with great enthusiasm.

2. National Sports Day was celebrated on 29/09/2022. Many Sports like Basketball, Volleyball matches were organized for students.

3. Our Vidyalaya team participated in Football, Badminton, Boxing, Swimming, and Athletics at 51st KVS Regional level competition and bagged medals as under:

(I) Boxing Boys U -19 Silver Medals

(ii) Badminton Girls U-14 Silver Medal

(iii) Athletics Girls U -14 Bronze Medal.

अक्षिता ने बैडमिंटन में जीता रजत पदक

KENDRIYA VIDYALAYA SURANUSSI, JALANDHAR

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में हुई 51वीं केवीएस रीजनल स्पोर्ट्स मीट में केवी सूरानुस्सी की खिलाड़ी का शानदार प्रदर्शन रहा। स्कूल की अक्षिता शर्मा ने अंडर-14 बैडमिंटन वर्ग में रजत पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया है। प्रिंसिपल डा. पाली शाह ने पदक विजेता खिलाड़ी को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया ●सौ स्कूल

केवी सूरानुस्सी में बास्केटबाल मैच करवाया

जासं : राष्ट्रीय खेल दिवस पर केंद्रीय विद्यालय सूरानुस्सी के बास्केटबाल कोर्ट में अंडर-19 व अंडर-17 के बीच मैच करवाया गया। मैच का उद्घाटन प्रिंसिपल डा. पाली शाल व स्पोर्ट्स कोच नरिंदर व मलकीत ने किया। इसमें अंडर-19 ने अंडर-17 को 20-15 स्कोर से हराया।

मैच के दौरान प्रिंसिपल डा .पाली शाह। साथ है कोच नरिंदर शर्मा व मलकीत ●सौ स्कूल

INSPIRE MANAK AWARD 2022-23

Five students participted in INSPIRE MANAK AWARD.

Five students participated in NCSC regional level competition.

One teacher also participated (Deepika Sharma as teacher participant in seminar) in 50th Jawaharlal Nehru National Science Mathmatics and Environment Exhibition (JNNSMEE - 2022-23) & 50th Rashtriya Bal Vaigyanik Pradarshani (RBVP) 2023 for Children- (and 8 students participated).

प्रात:कालीन सभा

केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA

केन्द्रीय विद्यालय
सूरानुस्सी, जालन्धर
KENDRIYA VIDYALAYA
SURANUSSI, JALANDHAR

केन्द्रीय विद्यालय
सूरानुस्सी, जालन्धर
KENDRIYA VIDYALAYA

विद्यालय गतिविधियाँ

गाँधी जयंती

रंगोली प्रतियोगिता

फिट इंडिया फ्रीडम रन

हिंदी कार्यशाला

हिंदी पखवाड़ा

प्रधानाचार्य द्वारा पौधा रोपण

वार्षिक शैक्षणिक निरीक्षण

सदभावना दिवस

आज़ाद हिंद फौज स्थापना दिवस

विद्यालय पत्रिका का लोकार्पण

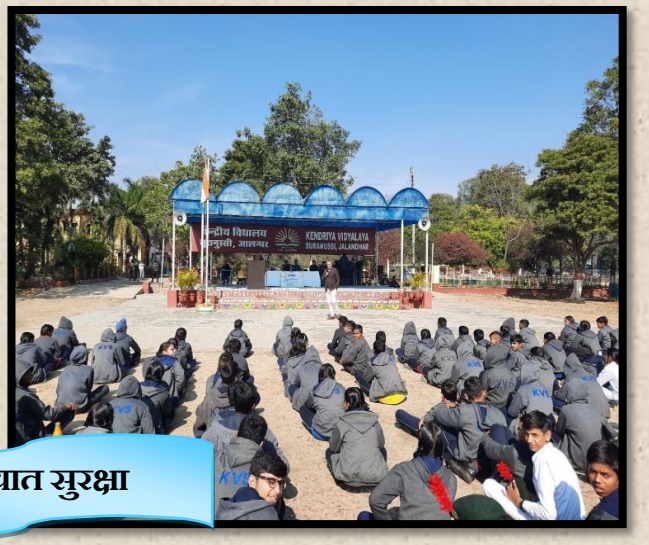

यातायात सुरक्षा

विश्व चिंतन दिवस(स्काउट एवं गाइड)

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।।

हिंदी विभाग

क्रमांक	विषय	नाम	कक्षा
1.	जोर से हंसे भगत सिंह	अर्शदीप कौर	सातवीं-ब
2.	समाज मे लड़की क्यों नही?	रिया	सातवीं-ब
3.	मन्तव्य	संचित आहूजा	दसवीं-अ
4.	मंजिल	सुरभि मल्होत्रा	ग्यारहवीं- ब
5.	मेहनत	शायना	ग्यारहवीं-स
6.	लड़की	वेदिका	ग्यारहवीं-स
7.	ठीक समय	ब्यूटी कुमारी	ग्यारहवीं-स
8.	माँ	पवि चड्डा	ग्यारहवीं ब
9.	परीक्षा आई	गुरप्रीत कौर	दसवीं-ब
10.	चिड़िया	अनुराधा यादव	दसवीं-ब
11.	रक्षक	नीयति	दसवीं-ब'
12.	जीवन का सफर	साक्षी प्रकाश	दसवीं-ब'
13.	प्राकृतिक सुन्दरता	पारो यादव	दसवीं-ब'
14.	दोस्त	मनामी दास	आठवीं-स
15.	वायु प्रदूषण	संदीप महे	आठवीं 'स'
16.	शुभ दीपावली	कृष्णा कुमारी	आठवीं 'स'
17.	चींटी	सलोनी शर्मा	आठवीं 'स'
18.	प्यारा प्यारा मेरा देश	अनुराग	आठवीं 'स'
19.	अँगुलियाँ	(संकलित) स्काईना	आठवीं 'स'
20.	गाँधी जी की धरती	अनुशिका विश्वकर्मा	आठवीं 'स'
21.	वृक्ष	(संकलित)एकमप्रीत कौर	आठवीं 'स'
22.	चाँद के नीचे तारा	कु. प्रेमलता	प्र०स्ना० शिक्षिका(हिंदी)
23.	जीवन	कुणाल भारद्वाज	प्र०स्ना०शि० (संस्कृत)

जोर से हँसे भगत सिंह

भगतसिंह जेल में थे। एक दिन भगतसिंह के परिजन उनसे मिलने लाहौर गए। भगतसिंह को बैरक से बाहर लाया गया। उनके साथ पुलिस अफसर सहित कई जवान थे। भगतसिंह हमेशा की तरह अपने घरवालों से मिले। उनके चहरे पर परेशानी के तनिक भी चिह्न नहीं थे। उन्हें यकीन हो गया था कि परिजनों से यह उनकी आखिरी मुलाकात है। उन्होंने माँ से कहा- बेबे जी, दादा अब ज्यादा दिन तक नही जियेगें। आप बंगा जाकर उनके पास ही रहना। सबको धैर्य बंधाया, सांत्वना दी । अंत में माँ को पास बुलाकर हँसते- हँसते मस्ती भरे स्वर में कहा- लाश लेने आप मत आना कुलबीर को भेज देना। कहीं आप रो पड़ी तो लोग कहेंगे कि भगत सिंह की माँ रो रही है। इतना कहकर वे इतनी जोर हँसे, उसे देखकर जेल अधिकारी उन्हें फटी आँखों से देखते रह गए।

अर्शदीप कौर

सातवीं-ब

समाज मे लड़की क्यों नहीं?

आज़ादी के इतने वर्षों के पश्चात् यह समाज आज भी पुरुषों का गुलाम है । आज भी समाज उन मान्यतायों को मानता है कि लड़का हो जाये तो भला, लड़की तो है एक बोझा । जिसके पैदा होने से समाज के कई महापुरुष बचते फिरते है । लड़की का बोझा तो वह तब उठाएँगे, जब दुनियाँ में आने देगें । मगर उस बेचारी की साँसे तो गर्भ में ही बंद कर दी जाती हैं ,ताकि समाज के यह दरिन्दे चैन की साँसे सले सके ।

अरे कौन कहता है? कि लड़की बोझा है कभी माँ, कभी बेटी- बहु तो कभी पत्नी के रूप में समाज में वह अपनी गरिमा बनाए हुए है । लोग भूल जाते हैं कि जिसकी कोख से एक लड़का जन्म लेता है वो भी तो आखिर लड़की ही है। लड़की नहीं होगी तो लड़के का जन्म कैसे होगा? अरे! मैं पूछती हूँ कि लड़के को ही क्यों बुढ़ापे का सहारा माना जाता है, लड़की को क्यों नहीं ?

रिया
सातवीं-ब

मन्तव्य

वैदिक धर्म का पालन मेरा मन्तव्य रहने दो।
सुनो सब ध्यान से मित्रों, मुझे सत्यार्थ कहने दो।
मुझे आक्रमण अपनों और बेगनों के सहने दो
मुझे ईश्वर के अमृत ज्ञान की, गंगा मे बहने दो।
सरल,त्यागमय आचरण और परोपकारों के गहने दो ।
नफरत और बंटवारे की दीवारों को ढहने दो।

संचित आहूजा
दसवी अ

मंजिल

मंजिल क्या है? रास्ता क्या है ?
हिम्मत हो तो, फासला क्या है ?
मंजिल अगर पानी है तो,
चलते जाना ।
कठिनाइयां आएगी पर,
लड़तेजाना।
रास्ता लंबा है, मंजिल दूर है
पर हारना नहीं है, जाना जरूर है।
मुश्किलों से भाग जाना,
आसान होता है ।
पर लड़ने वालों के कदमों में,
जहान होता है।

सुरभि मल्होत्रा
ग्यारहवीं- ब

मेहनत

मेहनत से बना हूँ, मेहनत का दर्द जानता हूँ। आसमाँ से ज्यादा जमीं की कद्र जानता हूँ।

पेड़ था जो झेल गया आंधियाँ।

लचीला पेड़ हूँ मैं मगर दरख्तों का कद्र जानता हूँ।

छोटे से बड़ा बनना आसान नहीं होता ।

जिंदगी में कितना जरूरी है सब जानता हूँ ।

मेहनत बढ़ी, तो किस्मत भी बढ़ चली।

महलों में जो कुछ पाया ,कभी अपना नहीं माना ।

क्योंकि आखिरी ठिकाना तो मैं मिट्टी का घर मानता हूँ।।

शायना

ग्यारहवीं- स

लड़की

तुम लड़की हो

"यह अच्छी तरह याद रखना

तुम जब घर की चौखट लाँघोगी

लोग तुम्हें टेढ़ी - मेढ़ी नज़रो से देखेंगे !

तुम जब गली से होकर गुज़रोगी

लोग तुम्हारा पीछा करेंगे

सीटी बजाएँगे लेकिन तुम्हें डरना नहीं है उसका

डटकर मुकाबला करना है तुम्हे इतना मेहनती बनना है

कि किसी के सामने हाथ ना फैलाने पड़े।

मुस्कुराओ और सबको बताओ कि
तुम किसी से कम नहीं हो !
परिणाम की परवाह न कर

सब अच्छा होगा मंजिल मिलेगी |

अगर तेरी मेहनत सच्ची होगी।

वेदिका

ग्यारहवीं-स

ठीक समय

ठीक समय पर, नित उठ जाओ।

ठीक समय पर, चलो नहाओ।

ठीक समय पर, खाना खाओ।

ठीक समय पर, पढ़ने जाओ।

ठीक समय पर, मौज उड़ाओ।

ठीक समय पर, गाना गाओ।

ठीक समय पर, सब कर पाओ।

तब तुम बहुत बड़े कहलाओ।

ब्यूटी कुमारी

ग्यारहवीं-स

माँ

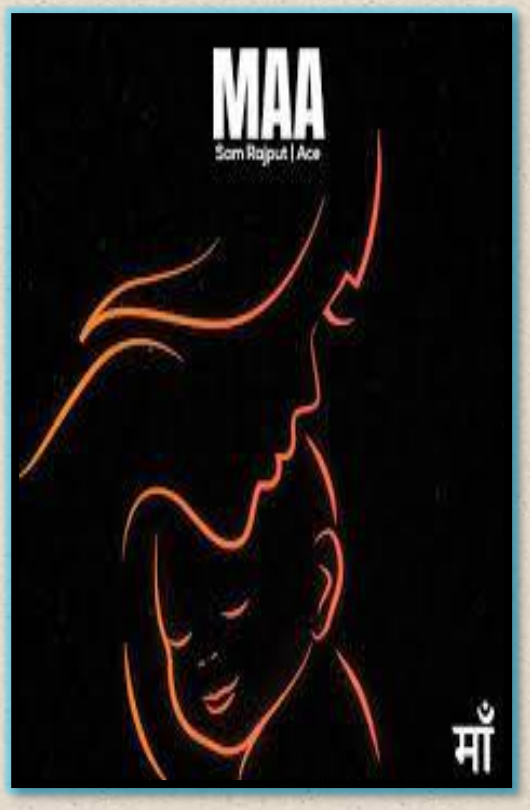

माँ तो जन्नत का फूल है प्यार करना उसका असल है, दुनिया की मोहब्बत फिजूल है, माँ की हर दुआ कबूल है ऐ इंसान माँ को नाराज़ करना तेरी मूल है माँ के वादमों की मिट्टी की जन्नत धूल है माँ की एक दुआ जिन्दगी बना देगी खुद रोएगी मगर तुम्हें हँसा देगी कभी भल के भी ना "माँ" को रुलाना एक छोटी सी गलती पूरा अर्श हिला देगी।

पवि चड्डा

ग्यारहवीं ब

परीक्षा आई

परीक्षा आई परीक्षा आई
सबने खूब करी पढ़ाई
किसी के चेहरे पर रौनक आई
किसी के लिए परीक्षा ढेर सारी चुनौतियाँ ले आई
परीक्षा आई परीक्षा आई
सबने करी खूब पढ़ाई

गुरप्रीत कौर
दसवीं-ब

चिड़िया

तिनका-तिनका लाकर चिड़िया,
चींचीं- चींचीं- गाकर चिड़िया
रचती है आवास नया,
इसी तरह से रच जाता है
चिड़िया का निवास नया || 1 ||

चुन-चुनकर ये दाना लाती
एक-एक कर सबकी भूख मिटाती,
गा-गाकर ये गाना गाती
चींटीं कर ये उड़ जाती ।|| २ |

अनुराधा यादव
दसवीं -ब

रक्षक

घूमते हैं हम गलियों में,
खाने की तलाश में
दिखे कोई तो उनके पास आते हैं,
पर वह हमें दबका के चले जाते हैं।

भूखे प्यासे घूमे हम
कब मिलेगा भोजन अब?

चाहे ढूँढ़- ढूँढ़ कर, चाहे मारो
पर रक्षा फिर भी करेंगें हम !

दिन में सो जाते,
तभी तो रात में चोरों से लड़ पाते।

ऐसा हमने क्या किया
जो भगवान तुमने हमें बेज़ुबान बना दिया।

किया हमने सबका भला, ।
पर हमने भी क्या पाया ?

क्यों हमें भगवान आपने जानवर बनाया !!!?

नियति
दसवीं-ब

जीवन का सफर

जीवन का सफर है एक ख्वाब सा हर कदम पर एक नया आगाज़ मुसीबतों के बावजूद हम मुस्कुराते हैं क्योंकि हर दर्द के पीछे एक सीख और अलग अंदाज़ है।

सपनो की उड़ान आसमानों को हमेशा छू सकती है| जीत जीवन की बड़ी-सी एक शक्ति हैं।जिंदगी के सफ़र में हर दिन नया सवेरा है। खुशियों से भरपूर, यह जीवन जंग का एक डेरा है।।

जीवन का सफर है बहुत सुहाना, गम मे कभी तुम बिखर न जाना। राहों में मिलेंगी मुश्किलें बहुत मगर, अपने सपनों को तुम छोड़कर न जाना।।

साक्षी प्रकाश

दसवीं-ब'

प्राकृतिक सुन्दरता

हरियाली देखो, ना कितनी सुन्दर है

आँखों में बसाले इतनी सुन्दर है ।

चारो ओर देखो तुम नजर न हटे

प्राकृतिक सुन्दरता इतनी सुन्दर है |

खुले आसमान हवा मे प्रीत छाई है

हवा भी प्रमे का पैगाम लाई है |

चिड़ियों की चहचहाहट मे भी अलग ही

बात आयी है पत्ते भी गा रहे है।

यह सरगम हरियाली भी देखो न कितनी सुन्दर है !

पारो यादव

दसवी ब

दोस्त

बिना चाय के इस दिल का गुजारा नहीं होता,
और दोस्ती से बड़ा कोई सहारा नहीं होता।

लोग रुप देखते हैं ,हम दिल देखते हैं।
लोग सपने देखते हैं ,हम हकीकत देखते हैं।

लोग दुनिया में दोस्त देखते हैं,
हम दोस्तों में दुनिया देखते हैं।

हम दोस्त बनकर किसी को रुलाते नहीं,
दिल में बसा कर किसी को भूलते नहीं।

कितने अजीब है ना यह रिश्ते दोस्ती के,
जो किस्मत से है मिलते।

हाँ दोस्त ऐसे भी होते हैं ,
जिसका साथ पाकर हम हर गम भूल जाते हैं।

दोस्ती के फूल हर मौसम में खिलते हैं,
दोस्ती के बादल हर मौसम में बरसते हैं।

ऐसे रिश्ते भी बहुत अजीब होते हैं ,
जो दोस्त दूर रहकर भी करीब होते हैं।

मनामी दास
आठवीं-स

वायु प्रदूषण

खतरे में है दुनिया आज
इंसान ही कर रहा अपना नाश
बड़े - बड़े कारखाने इंसान ही चलाता
वाहनों को सड़क पर इंसान ही दौड़ाता
धुँआ छोड़ पर्यावरण में
वायु प्रदूषण के खतरे को बुलाता|

वायु प्रदूषण है आज बढ़ता जा रहा|
इसके चपेट में पूरा संसार आ रहा|
अनेक बीमारीयाँ ये अपने साथ ला रहा|
इंसान को बीमारियों का शिकार बना रहा|
इंसान इसे समझ नहीं पा रहा|
आज इंसान ही अपना नाश कर रहा||

वायु प्रदूषण आज बढ़ता जा रहा
इसके चपेट मे पूरा संसार आ रहा ।
खतरों में आज बढ़ता जा रहा !!

संदीप महे
'आठवीं स'

शुभ दीपावली

अमावस्या जब गहराती है,

मन पर तप रूपी नागिन का फन उठता हो,

तो एक नन्हा सा दिया जला लेना ।

जब कोई वापस आता जीवन रण से लेकर विजय पताका,

तो मन रूपी नन्हा-सा दीपक है मुस्काता ।

कुछ कह कर जब मन दुखी हो,

तो एक नन्ही-सी रोशनी रंगोली की,

जगमग कर देती है मन को।

नई उमंग,उत्साह, खुशी तो अपने अंदर से ही आती है।

जब महिमा उठती है अंतर्मन में प्रभु के प्रति ।

जिसने अब तक संभाला और निखारा है ।

हर पल दिया सहारा है।

आओ उस प्रभु को नतमस्तक कर दीप जलाएँ खुशियाँ फैलाए ।

कृष्णा कुमारी

आठवीं-स

चींटी

वह नन्ही चींटी है जो, मेहनत करती रहती है ।

चढ़ती है,दीवारों पर गिरकर भी उठ जाती है वो ।

कोशिश करती रहती हरदम,जब तक मंजिल पा न ले वो

नन्हीं है पर कमजोर नहीं वो, यह कहना चाहती है वो

खाने के लिए दिन-रात मेहनत करती रहती है वो,

नहीं पता उसको की मेहनत कर कितना थक जाती है वो

सीखो तुम भी कुछ इस नन्हीं प्यारी चींटी से

यदि करोगे मेहनत तुम इसके जैसे

मिलेगी सफलता तुम्हें चमकते सितारे जैसे

सलोनी शर्मा

आठवीं-'स'

प्यारा प्यारा मेरा देश

प्यारा प्यारा मेरा देश,
सजा-संवरा मेरा देश,
दुनिया जिस पर गर्व करे
नयन-सितारा मेरा देश।

चाँदी-सोना मेरा देश,
सफल-सलोना मेरा देश
सूरज जैसा अलौकिक
सुख का कोना मेरा देश।

फूलों वाला मेरा देश,
झूलों वाला मेरा देश,
गंगा-यमुना की माला का,
फूलों वाला मेरा देश।

आगे जाए मेरा देश,
नित मुस्काए मेरा देश।
इतिहासों में बढ़-चढ़ कर
नाम लिखाए मेरा देश।

-अनुराग
आठवीं 'स'

अँगुलियाँ

अँगुलियाँ खुरदुरी हो जाती हैं

लुहार की, कुम्हार की, सुधार की ,

सितार बजाने वाले संगीतकार की

तवे पर रोटियाँ पलटने वाले

रसोईदार की,खेतों में

काम करने वाले बनिहार की,

बिखरा हुआ घर समेटने वाले ज़िम्मेदार की

अँगुलियाँ खुरदुरी हो जाती हैं

अक्सर कुछ बनाने की कोशिश में

कुछ बिगड़ भी जाता है।

(संकलित)

स्काईना

आठवीं-स

गाँधी जी की धरती

यह भारत देश की धरती है,
जहाँ गाँधी जी ने जन्म लिया।

जिसने छिपे हथियारों से,
ब्रिटिश राज को खत्म किया।

जिससे कोई न बच पाया,
यह गांधी जी का नारा है।

यहाँ कोई कमज़ोर नहीं,
यह सबको दिखला दिया।

कर सकते हैं हम क्या?
यह सबको बतला दिया।

और उनके विचार पूरी,
सृष्टि में बिखर गए।

जिसने हृदय परिवर्तन का,
सबको नया सा मार्ग दिया।

वह गोला, बारूद, बंदूक नहीं,
शांति - अहिंसा का सहारा है।

पहले सत्याग्रह करके,
अंग्रेज़ों को बतला दिया।

फिर रचनात्मक कार्यों से,
हृदयाग्नी को भड़का दिया।

आज़ादी हमें थमा कर,
खुद लम्बे सफर पर निकल गए

अनुशिका विश्वकर्मा
आठवीं 'स'

वृक्ष

वृक्ष हों भले खड़े,

हों बड़े, हों घने,

एक पत्र छाँह भी

मांग मत, मांग मत,मांग मत ।

अग्निपथ,अग्निपथ,अग्निपथ।

तू न थकेगा कभी

तू न थमेगा कभी,

तू न मुड़ेगा कभी

कर शपथ, कर शपथ,कर शपथ,

अग्निपथ,अग्निपथ,अग्निपथ।

यह महान दृश्य है

देख रहा मनुष्य है,

अश्रु, स्वेद, रक्त से

लथ-पथ, लथ-पथ, लथ-पथ,

अग्निपथ,अग्निपथ,अग्निपथ ।

(संकलित)

एकमप्रीत कौर

आठवीं 'स

चाँद के नीचे तारा

एक नजारा अद्भुत देखा,

चाँद के नीचे तारा देखा।

प्रकृति का सुंदर नज़ारा देखा,

चाँद से लटका तारा देखा।

झूलने की कोशिश है करता ,

चंचल मन की तरह है लगता।

ऊपर उठने को है करता,

तारा आज सितारा लगता ।

फेस बुक पर छा गया आज,

नर- नारी सब छोड़ें काज,

लगे सोचने यह कैसा राज,

अम्बर का यह सुन्दर ताज।

अद्भुत आज नज़ारा देखा,

चाँद के नीचे तारा देखा।।

कु. प्रेमलता

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका(हिंदी)

जीवन

जीवन अगर सागर है तो, चाहत उसका पानी है।

खुशियाँ भी हैं जो जीवन में वही उसकी रवानी है।

मौसम आते हैं ऐसे भी, जब हम खुद बह जाते हैं।

कभी भाप बनकर उड़ते, कभी बरस फिर आते हैं।

जीवन जलता है ऐसे ही, यही तो ज़िन्दगनी है।

जीवन अगर सागर है तो, चाहत उसका पानी है।

कुणाल भारद्वाज

(प्र०स्ना०शि०संस्कृत)

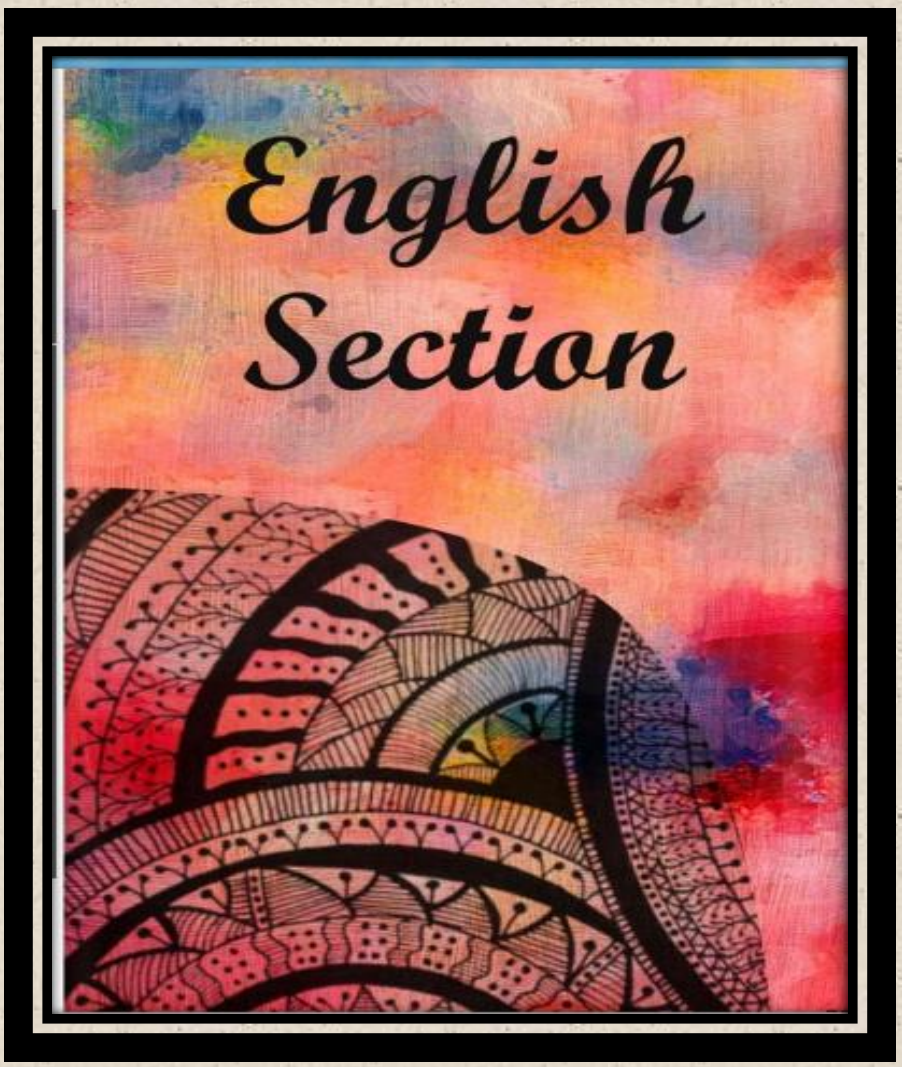
English
Section

INDEX

Sr.NO.	TITLE	NAME	CLASS-SEC
1.	THERE IS NO TOMORROW	NAINA	XI-C
2.	EDUCATION IS THE KEY TO UNLOCK THE GOLDEN "DOOR OF FREEDOM"	ABHISHEK MOHAMMAD	XII-A
3.	MY SCHOOL MY PRIDE	SIMRAN	XI-B
4.	LIFE OF ACCOUNTANCY	HEMANT	XI-B
5.	FRIENDSHIP	HEMANT	XI-B
6.	DON'T QUIT	SHAINA	XI-C
7.	TIME AND TIDE WAIT FOR NONE	CHAARVI	VI-B
8.	THE LOST PUPPY	PRERNA MAHEY	XI-B
9.	THE REGRET	MRIDU ROHI	XII-A
10.	FRIENDS	AYUSH SHUKLA	XII-A
11.	TRY,TRY AND TRY	PAVI CHADHA	XI-B
12.	THE ENVIRONMENT	DOLLY	XII-A
13.	FATHER UP ABOVE	BEAUTY KUMARI	XI-C
14.	MOTIVATIONAL QUOTES	AASHMEENA BANO	X-B
15.	LOVE YOURSELF	ANGEL	XII-A
16.	ENVIROMENT	VINITA	VII-B
17.	BLANK PAGE	SWETA CHANCHAL	XII-A
18.	SCHOOL'S MAGIC HEAVEN	RONIT PRAKASH	XII-A
19.	WHY	ASHISH SANDHU	X-A
20.	MY EXPERIENCE ON DÉJÀ VU	SATPAL PAHWA	XI-C
21.	THOUGHT	HIMANSHI SANDHU	VII-C
22.	POEM: GOD'S LOVE	KEZIA	VII-C
23.	LIFE	RITIKA	XI-B
24.	AMAZING FACTS	RIYA	IX-A

THERE IS NO TOMORROW

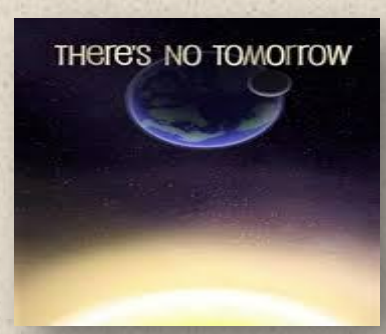

(A question from a teen-age mind)

They repeatedly say, "Tomorrow tomorrow".

I ask them “when does it come?"

And they reply, "When it dawns,

Tomorrow comes."

I search for the new day myself

When I awake and look around

I find no Tomarrow!

Rather I find the Today

That has already come

My friends!

There is no Tomorrow.

NAINA

XI -C

EDUCATION IS THE KEY TO UNLOCK THE GOLDEN

"DOOR OF FREEDOM"

Education is a gift,

That gives your mind a lift.

It opens up your eyes,

And helps you reach the skies.

It teaches you to think,

And to never let go of the link.

Between your dreams

and your goals,

it helps you reach you soul

So study hard and learn,

And let your passion burn.

For education is the key,

For unlocking your destiny.

Abhishek Mohammad
XII-A

MY SCHOOL MY PRIDE

My School is My Pride

Where we have a wonderful school ride

We read, we write and make our future bright

We learn to respect, not to neglect

We learn to accept, not to expect

We laugh, we cry, we play, we study with our best buddy

We respect elders, obey parents and become sincere

And be punctual is the habit we learn

And that is why we call it…

"My School, My Pride"

Simran

XI -B

LIFE OF ACCOUNTANCY

What comes is credit what goes is debit.

Birth is my opening stock.

Good thinking is my asset.

Bad thinking is my liability.

Enjoyment is my profit.

Sorrow is my loss.

Working is my outstanding exspense.

Character is my capital.

Knowledge is my investment.

Satisfaction is my balance sheet.

Death is my closing stock.

Hemant
XI- B

FRIENDSHIP

Friendship is a glass, handle it with care.

Once it is broken its hard to repair.

Make new friends but don't forget the old ones .

Friendship cannot be purchased.

It is like earing of gold which is never to be sold.

Hemant

XI-B

DON'T QUIT

When things go wrong as they sometimes will,
When the load you're thudling seems all up hill,
When the funds are low and the debts are high,
And you want to smile but you have to sigh,
When care is pressing you down,
Rest a bit if you must, But don't quit.
Life is strange with its twists and turns,
As every one of us sometimes learns,
Don't give up, though the pace seems slow,
You may succeed with another blow.

Shaina

XI-C

TIME AND TIDE WAIT FOR NONE

Time and tide are very powerful forces that cannot be stopped and controlled by anyone. Time is very precious than anyone, or any costly thing in this world because we cannot save it in anyway.

It can be used or passed. It is more than gold and money because we can earn any costly thing only through the proper use of time. It passes in every moment and never stops for anyone. It brings opportunities to everyone, however it benefits those who work on time. One who lost the time will be called loser and cannot achieve anything big in life.

We cannot compare time with any precious thing in this would because it is very valueable than them. The person who understands the value of time will go ahead and become successful one day.

One who misuses time will never climb the ladder of success. Time is precious; we should use it and never waste it.

Chaarvi

VI-B

THE LOST PUPPY .....

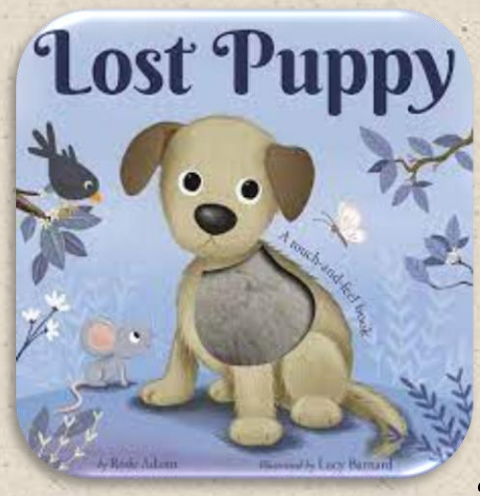

It was a rainy day and I,Ruskin wells was coming back from my friends house I was humming a song and enjoying the rain to my surprise,I heard a whimpering sound at first I ignored it but then i heared it again "What was that?" I said to myself. The sound was coming from a park nearby.When I followed,the sound, I saw a small puppy hiding from the rain behind the plants I felt bad for him but I was mot sure if I should take him with me or leave him there, I was afraid that my parents would not allow me to keep him. I gave myself hope that someone else would help that little puppy, although my heart was not ready to leave him there , what else could I have done?

I was about to leave, but a sudden rush of guilt went through my body I told myself. "How can I do this to that little puppy?' I rushed back to the park and saw the poor puppy whimpering there I carefully picked him up and engulfed him in a warm hug. I looked at him on my way home. I went to the pharmacy to get an ointment for his

injured leg I put the ointment on his injury and started crying. I said, "Hey! I know it's painful, little buddy, but you will be alright Don't worry".

It was getting late, so I rushed back home. The moment I opened the door, I saw Mrs. Wells, uh, I mean my mom, with her arms crossed around her chest.She seemed angry and I knew the reason; I was really late. "Where were you? Do you know what time is it? Wait! What is that in your hand" .She asked angrily, "Mom! Mom! Please calm down. I will tell you the whole story? "

While I was telling her the whole story, she listened to me carefully and calmly. So that was the reason for me being late. I said with a sigh I could not stop myself from helping this cute little puppy, Mom. 'I asked my mom," Can we keep this puppy"?She did not answer me and went to the kitchen.I followed her, feeling disheartened. But what I saw next made me jump out of my skin. She was preparing food for my new buddy. I said, "Mom ! You are the best, I hugged her tight, she smiled and said," You did a great job, my son, but wait, what are you going to name him"? I smiled at her and said, "Jerry!"

Prerna Mahey

XI-B

THE REGRET

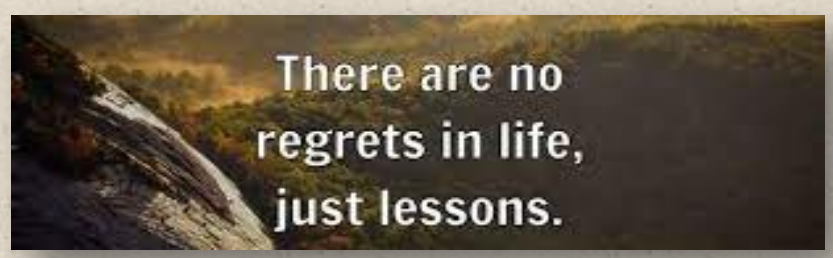

Choices shall be made and made wisely.

Cross roads are what makes us grief.

A road not taken,A sentence not said

Regret is what we all have,

But they shall remember it was all for a reason.

A mind full of worries and afraid of consequences.

And if not that then hesitance was at root of

All the opportunities lost.

Opportunities lost are what become regret so be wise

and take the chance.

Before it too becomes regret.

MRIDU ROHI

XII- A

FRIENDS

Friends are the ones who stick around,

When life gets tough and you're feeling down

They laugh with you and wipe your tears,

And help you face all your fears

They're the ones who know you best,

And love you even when you're a mess

They're the ones who make life sweet,

And make every moment a treat

So cherish your friends, near and far

And know that they'll always be where you are

AYUSH SHUKLA

XII- A

TRY,TRY AND TRY

Once there was a boy

And everyone thought,

He was a useless guy.

He always failed

In every exam,

Be it first, second or third or the last,

Final term. Once

he saw an ant

Who was trying to climb a wall, Fell down, but tried again and then

It did not fall.

This lit up his inner soul

He worked harder to achieve his goals,

And one day he went up so high that he finally touches the sky!

If you too want achievements, Never,

Ever cry Just set your goals and aims, And try, try and try.

PAVI CHADHA

XI-B

THE ENVIRONMENT

Changes in the environment affect living things. Some changes are natural. They include weather conditions, erosion of rocks and soil and natural disasters such as earthquakes. People make changes in the environment too. Many of these changes are harmful to living things. Around the world, human activities have resulted in air and water pollution. People have also destroyed the habitats of many animals. Also, some scientists believe that people's use of oil, coal and natural gas has led to dangerous conditions called global warming. Today many people are working to protect the environment. These people try to save natural resources. They also try to recycle, or reuse, products to avoid waste and pollution. We should also try to save our environment.

DOLLY

XII- A

FATHER UP ABOVE

Oh! my eyes what do you see?

There is Father up above

Looking down with tender love

So, be careful what to see.

Oh! My ears what do you hear?

There is Father up above.

Looking down with tender love

So be careful, what to hear

Oh! My hands what do you do?

There is Father up above

Looking down with tender love

So, be careful what you do.

Oh! My feet where do you go?

There is Father up above.

Looking down with tender love

So, be careful where you go.

BEAUTY KUMARI

XI- C

Motivational Quotes

- Only I can change my life. No one can do it for me.
- The past cannot be changed. The future is yet in your power.
- It does not matter how slowly you go as long as you do not stop.
- It always seems impossible until it is done.
- You can't cross the sea merely by standing and staring at the water.
- Always do your best. What you plant now, you will harvest later. Problems are not stop signs, they are guidelines.
- If you can dream it, you can do it.
- Keep your eyes on the stars and your feet on ground.
- Quality is not act, it is a habit.

AASHMEENA BANO
XI-C

Love Yourself

Confidence is not 'they will like me'
Confidence is' 'I'll be fine if they don't!

In today's genexation what we lack the most is self love and self confidence we don't trust ourselves, we always compare ourselves with others. We always feel inferior when we encounter someone better than us. Let's stop it. Let's learn how to love ourselves:

The most important step is to be aware of the comparision taking root in your mind. When ever such thoughts come in your mind remind yourself that just because someone else is better than you.It dosen't make you any lesser. Instead of focusing on what everyone around you is good at.Why not spend some time honing your own skills.We all have been gifted with our own sets of talents.

Start acknowledging talents and goodness in other people. Once you begin to look at them with appreciative eyes, they no longer appear as competition. We often fail to recognize how beautifully and wonderfully each one of us is mode! None of us are a mistake on this earth. We all have a purpose to fulfill. Let's not waste our time in playing comparison game because we are not created for that. Always remember your worth, and love yourself, respect yourself.

Angel

XII-A

Environment

Keep environment clean and green,
That's what all they say.
Some clean it, some plant trees,
But what difference does it make?
Like drops of Water make the sea?
Small efforts make a big deal.
Halking it together, We go further.
That's how we make the difference
Million of years took life to exist,
Won't take it long, toung to make it extinct.
Learn it's importance.
Try to make a difference.
A small effort is all it takes.
Don't be reluctant be selfless for a while
Not for yourself but for future generations,
Think it. Make it .
It sure will make you feel better.

Vinita
VII-B

Blank Page

One day I thought of writing something of my own interest but as we all know writing is not a very easy task to initiate. I started thinking on it that what should I write about and suddenly I saw a bird flying in the blue and beautiful mesmerizing sky. After seeing that bird and my blank page of diary I was comparing my self with the bird and the blank page with the blue blank sky. And I kept on staring that bird instead of my diary's blank page and I hold a pencil in my hand. I don't know how I managed to get on to the first line of my poem. Although I was not going to write a poem but I got my start with it and imagining my thoughts with that bird's life I just made a poem of my own with extreme use of vocabulary in it that I usually don't use. After reading that master piece of my writing I thought wow man! I could be a writer also if I kept on showing my creativity in my writing skills. But I did nothing except saying things that I will do this.

I never really gave time on my skills that can be improved by time and I could do something better. I still have my Diary's blank pages and I get inspired by them for atleast initiating things that I can do.

In my point of view people only fear or Procrastinate things until they haven't started them and everybody gets inspired by so many things but they can't ever build the ability to do it until and unless they try it. Well, some people will say who even cares about a 15 year old's point of view but it is not your age which defines your knowledge. Age is just a number; some people get mature early to their ages. I am not saying that I know everything but the once I know I can share that. I thought of doing so many amazing things but I got the excuses for not doing them even if they weren't relevant. The blank page of my diary made me write this and I think some of your blank pages will inspire you to initiate your inner self and interests. This one's for that blank page for making me aware of so many things that I should do or try atleast. Everyone's got their own interests and talents that they enjoy doing I just want to say, don't give yourself an excuse for quitting it give your self millions of reasons for keep doing it and do hardwork for it.

Just be the best version of what you are.

Sweta Chanchal

XII-A

School's Magic Heaven

In a plane when where young minds thrive,
Where learning dances and dreams come alive.
There stands a heaven, wise and cool.
A magical land we call our school.

With walls adorned in colours bright,
Guiding us towards a wondrous light,
Books and pencils, a canvas so grand,
Unfolding knowledge at every hand.

Science experiments that never fail,
Languages, arts and music's grace,
Unveiling the beauty of every space.

In classrooms buzzing with ideas and thought,
We sow the seeds that can never be bought.
As we ask questions and dare to seek,
The treasure of knowledge, unique and sleek.

Ronit Prakash
XII-A

Why?

Why, the trees are being cut?

Why, humans don't understand

That deforestation kills them.

Trees give life and shelter, then,

Why, trees are being cut?

Why, there is no restriction

On cutting down forests?

Why, oxygen production is decreasing?

Why, global warming is increasing?

Why, trees are being cut?

Why, some species are being extinct?

Why, afforestation is not done?

Why, trees are not planted again

After cutting? If it can't be, then,

Why, trees are being cut?

Ashish Sandhu

X- A

MY EXPERIENCE ON DÉJÀ VU

DÉJÀ vu is a fascinating phenomenon that many people experience at some point in their lives.It is a french term that translates to “ALREADY SEEN”.DÉJÀ vu occurs when you have a strong sensation of feeling that the current situation you are experiencing has happened before, even though you are sure it’s the first time you’ve encountered it. The experience of déjà vu can be quite vivid and night includes a sense of familiarity with specific details, such as the place, people, objects, or even the sequence of events. It is important to note that déjà vu is generally considered a normal and harmless phenomenon, and it’s not linked to any neurological or psychological disorder. Most people experience déjà vu occasionally and it often passes quickly.

SATPAL PAHWA

XI-C

THOUGHT

NOTHING AND NOBODY CAN STOP

IF YOU WORK HARD AND BELIEVE IN YOURSELF.

HIMANSHI SANDHU VII-C

GOD'S LOVE

God's love is so wonderful,Oh! Wonderful love so high

You can't get over it

Oh! Wonderful love.

KEZIA VII-C

LIFE

Life is a beautiful Photograph

And we are God's craft

Shine like a sun, cold like a moon

We will shine very soon

We are today's stars

Rommorrow we will be a moon star

Experience the journey with happiness

And tone will be full of melidicious sound of Guitar

RITIKA

XI-B

Amazing Facts

- Jupiter is the largest planet in the solar system.
- The only planet which spins clockwise is Venus.
- The space is completely silent as there is no medium for sound to travel through.
- The largest desert on the Earth is the Sahara.
- The largest river on the Earth is the Nile.
- Hot water freezes faster than cold water.
- The rings around Saturn are 90% water.

Riya

IX-A

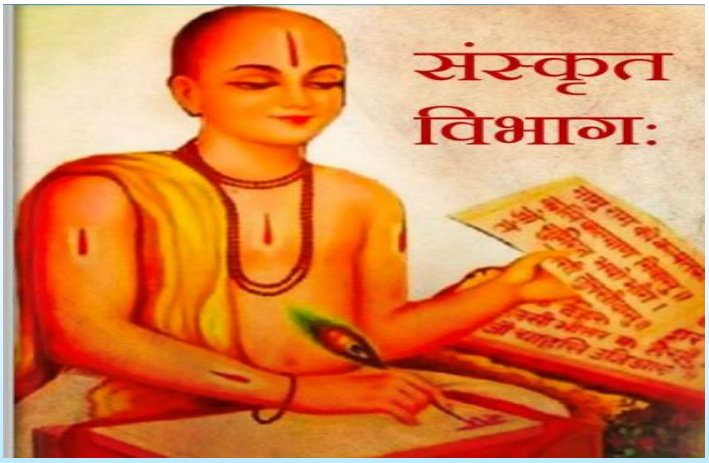

संस्कृत-विभागः

संस्कृतम्

सम्पादकीयम्

संस्कृतभाषा न केवलं भाषा अपितु सम्पूर्णं जीवनदर्शनमस्ति।एषा विश्वस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति। इयं भाषा तावती समृद्धा अस्ति यत् प्रायः सर्वासु भारतीयभाषासु न्यूनाधिकरूपेण अस्याः शब्दाः प्रयुज्यन्ते अतः भाषाविदां मतेन इयं सर्वासां भाषाणां जननी मन्यते। पुरा संस्कृतं लोकभाषा आसीत्। जनाः संस्कृतेन वदन्ति स्म।भारतीयभाषासु बाहुल्येन संस्कृतशब्दाः उपयुक्ताः। संस्कृतात् एव अधिकाः भारतीयभाषाः उद्भूताः। तावदेव भारत-युरोपीय-भाषावर्गीयाः अनेकाः भाषाः संस्कृतप्रभावं संस्कृतशब्दप्राचुर्यं च प्रदर्शयन्ति । व्याकरणेन सुसंस्कृता भाषा जनानां संस्कारप्रदायिनी भवति।

पाणिनीयाष्टाध्यायी इति नाम्नि महर्षिपाणिनेः विरचना जगतः सर्वासां भाषाणां व्याकरणग्रन्थेषु अन्यतमा वैयाकरणानां भाषाविदां भाषाविज्ञानिनां च प्रेरणाभूता ।

संस्कृतवाङ्मयं विश्ववाङ्मये अद्वितीयं स्थानम् अलङ्करोति। संस्कृतस्य प्राचीनतमग्रन्थाः वेदाः सन्ति। वेद-शास्त्र-पुराण-इतिहास-काव्य-नाटक-दर्शनादिभिः अनन्तवाङ्मयरूपेण विलसन्ती एषा देववाक् । अस्यां भाषायां धार्मिक-नैतिक-आध्यात्मिक-लौकिक-वैज्ञानिक-पारलौकिकविषयाः अपि सन्ति। छात्राणां चारित्रिकविकासाय भारतस्य सांस्कृतिकज्ञानाय संस्कृतभाषा दृष्टिरूपा अस्ति।

कुणाल भारद्वाजः

(प्र०स्ना०शि०संस्कृतम्)

अष्टादश पुराणानि

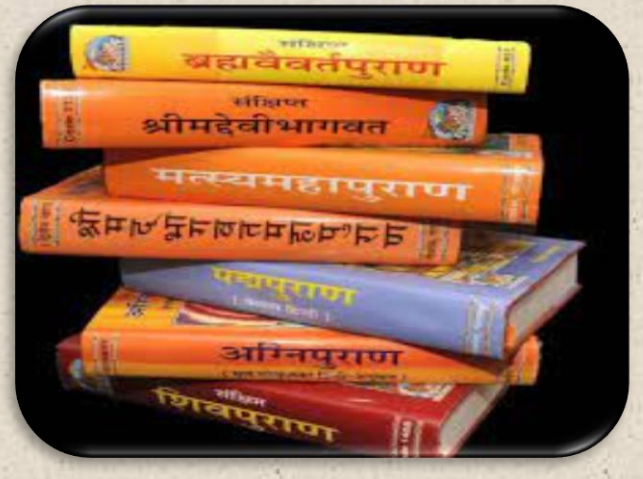

मद्वयं भद्वयं चैव ब्रत्रयं वचतुष्टयम् ।

अनापलिंगकूस्कानि पुराणानि प्रचक्षते ॥

श्लोकोऽयं पुराणानां नामानि सङ्गृह्णाति ।

मद्वयम्–मत्स्यपुराणम् ,मार्कण्डेयपुराणञ्च

भद्वयम् – भविष्यपुराणम्, भागवतपुराणञ्च । ब्रत्रयम् – ब्रह्माण्डपुराणम्, ब्रह्मपुराणम्, ब्रह्मवैवर्त्तञ्च । वचतुष्टयम् – वामनपुराणम्,वराहपुराणम्, विष्णुपुराणम्, वायुपुराणञ्च । अ –अग्निपुराणम् , ना – नारदपुराणम् , प – पद्मपुराणम् , लि – लिङ्गपुराणम्, ग –गरुडपुराणम्, कू -कूर्मपुराणम् , स्क – स्कन्दपुराणम् ।

सङ्कलनकर्त्री

कृष्णा कुमारी

(अष्टमी-स)

चत्वारो वेदाः

'वेद' शब्दः संस्कृतभाषायाः 'विद्' मूलतः निष्पन्नः, यस्य अर्थः ज्ञातव्यः, अतः वेदस्य शाब्दिकार्थः 'ज्ञानम्' इति। 'विदित' (विज्ञात), 'विद्या' (ज्ञान), 'विद्वान' (ज्ञानी) इत्यादयः शब्दाः अस्मात् मूलतः आगताः। एते दिव्यशब्दाः इति मन्यन्ते। अत एव 'श्रुति' इति। वेदाः परमं सत्यं मन्यन्ते। सर्वलौकिक-अलौकिकविषयाणां ज्ञानेन परिपूर्णः अस्ति। प्रत्येकं वेदस्य चत्वारः भागाः सन्ति। ते वेदाः ब्राह्मणग्रन्थाः आरण्यकाः उपनिषदः च।

अद्यत्वे 'चतुर्वेद' नाम्ना प्रसिद्धानां एतेषां ग्रन्थानां विवरणं यथा-

ऋग्वेद – प्राचीनतमः प्रथमः वेदः यस्मिन् मन्त्रसङ्ख्या १०४६२, मण्डलसंख्या १०, सूक्तसंख्या १०२८ च अस्ति। अस्मिन् वेदे सर्वेषां मन्त्राणां कुलसंख्या ४३२००० इत्यपि मन्यते। अस्य मूलविषयः ज्ञानम्। तत्र नानादेवतानां वर्णनं ईश्वरस्तुतिः इत्यादि।

यजुर्वेद – अस्मिन् कार्य (कर्म) तथा यज्ञ (समर्पण) प्रक्रियायाः १९७५ तमे वर्षे गद्यमन्त्राः सन्ति।

सामवेद – अस्य वेदस्य मुख्यविषयः पूजा अस्ति। १८७५ सङ्गीतस्य शब्दस्य गायनार्थं सङ्गीतमन्त्राः।

अथर्ववेद – अस्मिन् गुणाः, धर्मः, आरोग्यः, यज्ञः च ५९७७ काव्यमन्त्राः सन्ति।

सङ्कलनकर्त्री

अनुशिका विश्वकर्मा

(अष्टमी-स)

संस्कृत खंड

सर्वधर्मान्परित्यज्य मामक शरणं व्रज।

अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः अपि चेत्सुदुराचारो भजते मामनन्यभुक्।

साधुरेव स मन्तव्यः सम्या व्यवसितो हिसः।

अर्थात् :सम्पूर्ण धर्मो को मुझ में व्यागकर तू केवल एक मुझ सर्वशक्तिमान, सर्वाधार परमै घरक ही शरण मे आ जा मैं तुझे सम्पूर्ण पापो से मुक्त कर दूंगा। तू शोक मत कर |

सङ्कलनकर्त्

संचित आहूजा

दसवीं-अ

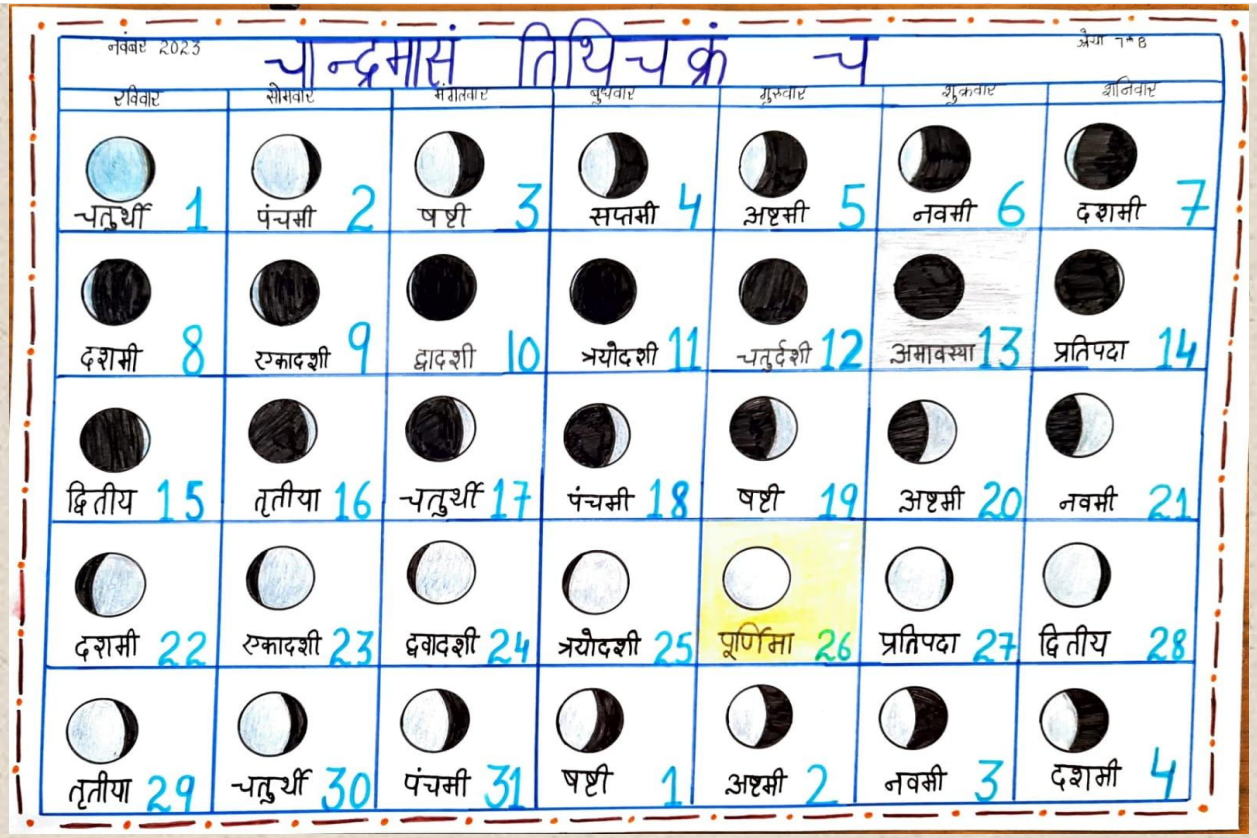

भारतीयपञ्चाङ्गानुसारं मासे ३० तिथीः सन्ति, ये पक्षद्वये विभक्ताः सन्ति। एकस्य अमावस्यान्ते आरभ्य चन्द्रमासः परस्य अमावस्यान्तपर्यन्तं भवति। अमावस्ये दिने सूर्यचन्द्रयोः पदानि समानानि भवन्ति। एतयोः ग्रहयोः भोङ्गाशभेदवृद्ध्या तिथिं जनयति। तिथि गण्यते निम्नलिखित प्रकारा

तिथि = चन्द्रस्य भोगंश - सूर्यस्य भोगंश / (विभाजनम्)

१ - १४ - शुक्लपक्षे च पूर्णिमा

१ - १४ - कृष्णपक्षे च अमावस्या

वैदिकजनाः वेदङ्गज्योतिषस्य आधारेण तिथिं अखण्डं मन्यन्ते। यदा क्षीणचन्द्रचरणं वर्धयितुं आरभते तदा अहोरा-रात्रौ तिथिः इति मन्यते। चन्द्रस्य क्षीणत्वे दिने अमावस्येति स्मृतः। शुक्लप्रतिपदा द्वितीये दिने भवति। एकस्मात् सूर्योदयात् परं सूर्योदयपर्यन्तं यः कालः वेदेषु अहोरात्रः इति नाम सः तिथिः इति मतः।

प्रतिपदादिः १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १४, १५ च तत्क्रमात् पूर्णिमा ज्ञायते। तथा च कृष्णपक्षः पूर्णिमाद्वितीयदिने आरभ्य कृष्णप्रतिपादः (१) इति मन्यते तथा च समानक्रमेण २,३,४,५,६,७,८,९,१०,११,१२, १३,१४ भवन्ति तस्मिन् एव दिने यदि चन्द्रः दुर्बलः भवति तर्हि कृष्णचतुर्दशी भग्नं मन्यते तथा च तस्मिन् एव दिने अमावस्यं मत्वा दर्शश्राद्धं क्रियते तथा च यदि चन्द्रः १५ दिनाङ्के दुर्बलः भवति तर्हि भग्नपक्षः तिथिं विना समाप्तः भवति। नेपालदेशे वेदङ्गज्योतिषस्य आधारेण "वैदिकतिथिपत्रम्" (वैदिकपञ्चाङ्गः) व्यवहारे स्थापितः अस्ति। सूर्यसिद्धान्ताधारितपञ्चाङ्गतिथयः दिवसस्य कस्मिन् अपि समये आरभ्यन्ते, तेषां अवधिः नवदशतः षड्विंशतिघण्टापर्यन्तं भवितुम् अर्हति।

मूल नाम तद्भव नाम-

पूर्णिमा(पूरनमासी)प्रतिपदा(पड़वा)द्वितीया(दूज)तृतीया(तीज)चतुर्थी(चौथ)पंचमी(पंचमी)षष्ठी(छठ)सप्तमी(सातें)अष्टमी(आठें)नवमी(नौमी)दशमी(दसमी)एकादशी(ग्यारस)द्वादशी(बारस)त्रयोदशी(तेरस)चतुर्दशी(चौदस)अमावस्या(अमावस)

सङ्कलनकर्त्री

श्रेया कुमारी

(सप्तमी-ब)

भारतीयमासाः

एकस्मिन् वर्षे १२मासाः भवन्ति। मासद्वयस्य एकः ऋतुः भवति। ऋतुः नाम परिसरस्य वातावरणस्य च स्थितिः। मासाः नक्षात्राणां नाम्नाम् अधारेण निश्चिताः सन्ति। भारतीयानि पर्वाणि सर्वाणि मासानुगुणम् एव निर्धारितानि। ते मासाः यथा..

चैत्रमासः

वैशाखमासः

ज्येष्ठमासः

आषाढमासः

श्रावणमासः

भाद्रपदमासः

आश्विनमासः

कार्तिकमासः

मार्गशीर्षमासः

पुष्यमासः

माघमासः

फाल्गुनमासः

सङ्कलनकर्ता

दिलनूर सिंहः (सप्तमी-स)

ART CORNER

पेंसिल रेखाचित्र

कलात्मक गतिविधियाँ

हमारे उभरते कलाकार

उभरती कला

PRIMARY
ACTIVITIES

प्राथमिक विभाग

क्रमांक	विषय	नाम	कक्षा
1.	केशव और तीन लोग	छवि	5-ब
2.	एक बार फिर से जय बोलो	अभिमन्यु	3-स
3.	क्लास का मॉनिटर	रूहानी	3-स
4.	पेड़	दिलरीत कौर	3-स
5.	मेरा प्यारा परिवार	प्रतिभा	1-ब
6.	मेरा स्कूल	ऋत्विक राय	1-ब
7.	मेरा बचपन	अदिति	2-अ
8.	भ्रष्टाचार	सुनीता सेठी	प्राथमिक अध्यापिका
9.	बदलता रूप बेटी और बहू	रिंकी नेगी	प्राथमिक अध्यापिका
10	कोरोना के बाद विद्यार्थी और शिक्षक	अंशु	प्राथमिक अध्यापिका

केशव और तीन लोग

एक बार एक आदमी था ।उसका नाम केशव था। एक दिन उसे शैतानी सूझी। एक दिन वह रास्ते से जा रहा था उसे दो पेड़ दिखई दिए। आस-पास कोई और पेड़ नहीँ था, बस एक तालाब था। उसे पेड़ काटने की सूझी। तभी 3 लोग वहाँ आते है। पहले ने कहा कि पेड़ मत काटो, दूसरे ने भी कहा बिल्कुल ना काटो , तीसरा आदमी चुपचाप खड़ा रहा। केशव ने किसी की ना सुनी। नल से पानी पीकर नल को खुला छोड़कर वह पेड़ काटने में जुट गया। थोड़ी देर बाद उसने पेड़ काटा और नल से पानी पीने गया। उसके पीछे तीनों लोग चले आए। केशव हैरान था की नल से पानी नहीं आ रहा। तब केशव बेहोश होने की हालत में आ गया, इतनी गर्मी में नल से भी पानी नहीं आ रहा था आस-पास कोई पेड़ भी नहीं था। तभी तीसरे आदमी ने कहा देखा इसीलिए पेड़ काटने से मना किया था और तुमने पानी का नल भी खुला छोड़ दिया। केशव दुखी होकर उनसे माफी मांगने लगा।

छवि

5-ब

एक बार फिर से जय बोलो

एक बार फिर से जय बोलो
प्यारे हिन्दुस्तान की
जिसकी मिट्टी सोना देती
धरती है भगवान् की
दया – धर्म की शिक्षा मिलती
जन्म भूमि इंसान की
गाँव गाँव में नदियाँ बहती
ज्वाला जलती मान की
गीतों की फुलझरियां हंसती
बढ़ी शान ईमान की
एक बार फिर से जय बोलो
प्यारे हिन्दुस्तान की
जहाँ चमन है बाग बगीचा
बियाबान खलिहान भी
ऊँचा पर्वत चौड़ी खायी
जल थल है गतिवान भी
एक बार फिर से जय बोलो
प्यारे हिन्दुस्तान की

अभिमन्यु

3-स

क्लास का मॉनिटर

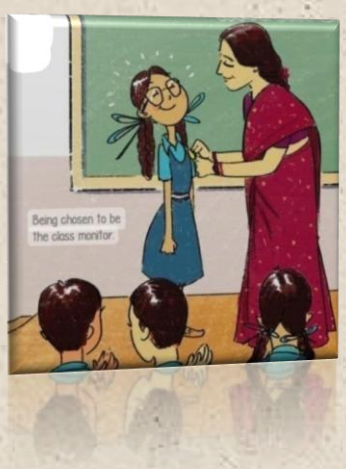

जो क्लास में बने मॉनिटर, कोरी शान दिखाते हैं।

आता-जाता कुछ भी नहीं, पर हम पर रॉब जमाते हैं।

जब क्लास में टीचर नहीं, तो खुद टीचर बन जाते हैं।

कॉपी-पेंसिल लेकर, बस नाम लिखने लग जाते हैं।

खुद तो हमेशा बातें करें, हमें चुप करवाते हैं।

अपनी तो सब गलती माफ, हमें बलि चढाते हैं।

क्लास तो संभाल पाते नहीं, बस चीखते और चिल्लाते हैं।

भगवान बचाए इन मॉनिटर से, इन्हे हम नहीं चाहते हैं।

रूहानी

3-स

पेड़

वृक्ष धरा के भूषण है
करते दूर प्रदूषण है।
हम सबको भाते हैं वृक्ष
हरियाली लाते हैं वृक्ष।
पत्थर खाकर भी फल देते
हवा के विश्व को ये हर लेते।
प्राण वायु हर पल ये देते
फिर भी हमसे कुछ ना लेते।

क्या दुनिया में कोई भी
पेड़ों सा हितकारी है
बिना स्वार्थ के सब कुछ देते
पेड़ बड़े उपकारी है।
उपकार मारना दूर ये
मानव कितना अत्याचारी है
काट-काट के पेड़ों को
खुद पर ही कुल्हाड़ी मारी है।

दिलरीत कौर

3-स

मेरा प्यारा परिवार

सूरज चांद के जैसे
है यह मेरा प्यारा परिवार
जिसमें खिले हैं अलग-अलग
चेहरों के फूल

जहां है, माता- पिता, भाई- बहन,
दादा- दादी ,नाना- नानी,
है यह जिसके मजबूत आधार,

परिवार के बिना है जीवन अधूरा
परिवार के बिन जैसे खाली कोई कोना
परिवार में होती है मीठी तकरार
जिसमें सब लेते एक दूजे को संभाल

हर जरूरत का रखें जो ध्यान
रिश्तो की यही सही पहचान
करके एक दूजे का सम्मान
बढ़ाए जो आपस का मान

वही तो होता है परिवार
सबसे सुंदर, सबसे प्यारा,
दिल से है जो मुझे प्यारा
यह है मेरा परिवार

प्रतिभा
1-ब

मेरा स्कूल

सबसे प्यारा है मेरा स्कूल

घर में भी नहीं पाता मैं भूल।

समय से हम स्कूल हैं जाते

रोज नया नया ज्ञान हैं पाते।

रंग बिरंगे हैं इसमें फूल

कितना सुंदर है मेरा स्कूल।

शिक्षक हमको पाठ पढाती

नयी नयी बातें सिखलाती।

मेरे शिक्षक है बहुत प्यारे

हम सबका जीवन संवारे।

नाम है इसका के वी सूरानुस्सी

प्रवेश के लिए करते सब रस्साकस्सी।

जालंधर की है शान

मिलता हमें यहाँ है ज्ञान।।

ऋत्विक राय

1-ब

मेरा बचपन

मेरा बचपन बहुत प्यारा है,

मेरा परिवार मेरे सहारा है।

ना कोई फिक्र हैं,ना कोई बहाना है ,

दोस्तों के संग पढ़ना और खेलना

हमारा है।

बस इक ही मेरा निशाना है,

मुझे एक दिन चांद पर जाना है।

मेरा बचपन बहुत ही प्यारा है।

मेरा परिवार सबसे प्यारा हैं।

मम्मी पापा की डाट है।

लेकिन भी भलाई हमारी है।

दादा दादी का प्यारा है,

नाना नानी का दुलारा है।

एक छोटा सा प्यारा सा भाई है,

अपने साथ उसे भी मजिल तक ले

जाना है।

मेरा बचपन बहुत प्यारा है,

मेरा परिवार मेरा सहारा है।

मेरा बचपन बहुत प्यारा है.....

अदिति

2-अ

भ्रष्टाचार

दौड़ती भागती जिंदगी है

कोई वक्त को खर्च नहीं करता

दो पलों के फेर में

रिश्वत से जेबें भरता है

कोई देता है कोई लेता है

भ्रष्टाचार का दानव बढ़ रहा

ना कोई समझे ना कोई समझता है

वतन पर कौन सी आफत मढ चला

आने वाली पीढ़ी को क्या मिल रहा?

बातें करने से क्या होगा?

सच की मशाल खुद ही थामनी होगी

जो सोने सी वतन की चमक बड़ानी है

तो स्वयं की देह ,मेहनत से तापनी होगी

शुरुआत खुद से ही करनी होगी

यह करें वह करें! क्यों यह प्रश्न जगता है?

भटके हुओ को राह पर लाना है

सच्चाई की तपिश जगानी है

सबको साथ मिलकर चलना है

भ्रष्टाचार की बुराई मिटानी है

अपने फर्ज को निभाना कदम तर कदम

क्यों भूल जाएं कौन क्या करता है?

दौड़ती भागती जिंदगी है कोई वक्त को

खर्च नहीं करता

सुनीता सेठी

(प्राथमिक अध्यापिका)

बदलता रूप बेटी और बहू

ब से बेटी, और ब से ही बहू

मायके में बेटी,और ससुराल में बहू .

बदलता जाता हैं बेटी का रूप,

अपनाना पड़ता है उसे हर रूप ..

जन्म से ही जानती है छोड़ना पड़ेगा एक

दिन अपना घर, और जाना होगा एक

अंजान के घर ..

उसके जन्म पे तो बहुत कम लोगों को होती हैं खुशी, लेकिन घर की बहू लाने की होती है सबको बहुत खुशी .

अपनी बेटी को रंग रूप के लिए किसी ने ना कभी टोका,

लेकिन अपनी बहू का चाहिए रंग रूप एकदम अनोखा .

बेटी पार्लर जाए तो कहेंगे उसको अपडेट,

बहू जाए तो क्यों कहते है पैसे वेस्ट .

बेटी को घर में काम देंगें कम,

लेकिन बहू करे घर का सारा काम एकदम .

बेटी की नौकरी को समझते हैं अपनी शान,

लेकिन बहू कमाए तो क्यों समझते कम हो गई उनकी आन, बान और शान ...

अपनी बेटी और बहू में क्यों करते हो

इतना फ़र्क,

जब बननी है तुम्हारी बेटी भी बहू एक वक्त .

कहाँ जाती है वो पढ़ी लिखी सोच,

आज भी क्यों निकालते हो अपनी बहू में इतने दोष ...

कहते हैं जैसा बोओगे वैसा काटोगे,

लेकिन ये एक ऐसा कर्म हैं जो बोओगे आप,

और काटेंगे आपके बेटी और दामाद .

मत करों बहुओं के साथ इतना अत्याचार,

दो बहूओं को अपनी बेटी सा सम्मान ..

वो करती हैं आपसे मां सा प्यार,

तो दो ना उसको मां वाला ही प्यार ..

बहू और बेटियां हैं आपकी असली शान,

करो उनका पूरा सम्मान |

रिंकी नेगी

प्राथमिक अध्यापिका

कोरोना के बाद विद्यार्थी और शिक्षक

कोरोना ने किया था बड़ा ही बेकार,

सबका हाल कर दिया था बेहाल ।

दु:खी था कारोंना से हर इंसान,

हो रहा था विद्यार्थियों के भविष्य का नुकसान ।

विद्यार्थियों से थे उनके विद्यालय छीन गए ,

शिक्षकों से उनके विद्यार्थी छीन गए ।

कुछ विद्यार्थियों का विद्यालय में पहली कक्षा का प्रवेश छीन गया ,

कुछ विद्यार्थियों का विद्यालय में १२ का अंतिम बिदाई समारोह छीन गया ।

कुछ विद्यार्थी लिखना पढ़ना ही मानो भूल से गए,

कुछ विद्यार्थी मानो शिक्षा में रूचि ही खो गए ।

कड़ी मेहनत और टेक्नोलॉजी का इस्तमाल करने पर भी,

रह गए कुछ विद्यार्थी शिक्षा से वंचित फिर भी ।

कोरोना से सबने मिलकर कर लिया था अब सामना ,

लेकिन कठिन हुआ शिक्षको का विद्यार्थियों का स्तर सुधारना ।

विद्यालय खुलने का समाचार सुनकर विद्यार्थियों की हुए पूरी चिंता दूर,

लेकिन अभी शिक्षको की चिंता न हुए थी पूरी तरह दूर ।

विद्यालय खुले फिर बच्चें मिले ,

लौट आई फिर विद्यालय की रौनक ।

लेकिन इस बार थी शिक्षकों के सामने एक चुनौति,

कैसे करे अपने विद्यार्थियों की फिर से पहले जैसे उन्नति ?

विद्यालय को पहले सा बनाना हुआ शिक्षकों के लिए मुस्किल ,

लेकिन ये चुनौती मिलकर कर दिखाए हम सबने मुमकिन ।

सबने दिया मिलकर एक दूसरे का साथ ,

लौट आए विद्यालय की रौनक फिर एक बार ।

विद्यार्थी और शिक्षकों के सपने हुए अब साकार,

मिलकर हुआ विद्यालय और विद्यार्थियों का नाम रोशन फिर एक बार।

यही दुआ है अब हम सबकी ,

न बने हमसब में दूरी अब कभी भी।

अंशु

(प्राथमिक अध्यापिका)

INDEX

SERIAL NO.	TITLE	NAME	CLASS-SECTION
1	Poem: Trees	Ruhani	3-C
2	Save Girl Child	Sukanya Devi	B-5
3	Healthy Food.	Mayukh	1-B
4	The Perfect School	Seerat Kaur	5-B
5	Story Bee & Myna	Aditi	2-A
6	Save Water	Hiten Tuteja	2-B

Poem: Trees

I think that I shall never see

A poem lovely as a tree.

A tree whose hungry mouth is prest against

The earth's sweet flowing breast;

A tree that looks at God all day.

And lifts her leafy arms to pray;

A tree that may in summer wear

Anest of robins in her hair;

Upon whose bosom snow has lain;

Who intimately lives with rain?

Poems are made by fools like me,

But only God can make a tree.

Ruhani
3C

SAVE GIRL CHILD

Those cute little hands
Those pretty hair strands
That pretty smile
But just wait a while…
How can we see all this?
After all we don't want this bliss,
We assume her to be a curse
She gets killed in womb
What else could be more worse!
We all pray before goddess
To grant us joy and happiness
But when she gifts the best
"A girl child"
Then why do they get so wild.
We all wish of is a beautiful bride

But what about when u gotta know
That she's a girl,
You felt as if she'll lower your pride.
Grow up people
Just broaden your minds a bit
Change your pathetic thoughts
And remove your narrow minded shit.
Save girl child
Let her live
She'll make you more prosperous
Than what your son can ever give.
Let her see the world
With her beautiful eyes,
Let her dream wide
And one day she'll touch the skies!

Sukanya Devi
5-B

HEALTHY FOOD

Fruits make us very strong,

And keep us healthy for long,

They taste very sweet,

And never make us cheat.

Mayukh

1-B

The Perfect School.

A place where a student worships his teacher as a god,The heads of thechildrenbefore their teacher nod.The place is the school where teachers give education,It's a school where there is offorestation.A school that has all the beauties,Is a perfect school whose students have all the qualities. A school whose students will become president and magic vista, A school whose students will become Rabindranath Tagore and Mother Teresa.

The Perfect School is a school whose trees will always be uploaded with fruits of joy, success and happiness,A school whose students will never have a future of darkness. That school will conquer the world,In that school, music will be sung by birds.

Seerat Kaur

5th-B

STORY BEE & MYNA

Bee-Woow our beehive is ready.

Myna-May I ask you a question?

Bee-Yes,yes please.

Myna- asked a bee that after continuous hard work,

you prepare the honey, but a man steals the honey.

Don't you feel sad ??????

Bee-Bee replied humbly No,Never.

Myna-What??????? But Why??????

Bee-Bee replied humbly because a man can steal my honey,but not my art of making honey and not my hardwork.

Myna-Ohhhhhhh you are right ,no one can steal our hard work and our talent.

Bee & Myna both smiled happily.

Moral of the story:- Believe in yourself and remember you are born unique so never change yourself for others.

Aditi

2-A

Save Water

Save water, save water,

Water is our life.

Water is used for everything,

Without water there is nothing.

We can not live without it,

So, we should always take care of it.

Never waste a drop of water,

All living things need water.

Together we can save water,

So, we should always save water.

Hiten Tuteja

2-B

Memories

Some memories are good while some are bad

But don't worry, (bad) it will end.

Nothing is permanent, everything is temporary.

Do your best God will take care of the rest. Have your faith with yourself

try to be selfless. This is your family, these are your friends. Some

memories are good while some are bad.

Society is for you, you are for the society

But don't worry, (bad) it will end.

Nothing is permanent, everything is temporary.

"REMEMBER CHANGE IS MAGICAL AS WELL AS DANGEROUS SO

CHANGE YOURSELF WISELY"

Meenakshi

PRT

CCA ACTIVITIES OF PRIMARY

CLASS 1st ORIENTATION PROGRAM

FANCY DRESS COMPETITION

JANAMASTMI CELEBRATION

MASK MAKING COMPETITION

INDEPENDENCE DAY CELEBRATION

SOLO DANCE COMPETITION

KITCHEN GARDEN ACTIVITY

PRIZE DISTRIBUTION

HAR GHAR TIRANGA

POEM RECITATION

BEST OUT OF WASTE

FREEDOM FIGHTERS

RAKHI MAKING COMPETITION

SWATCHTA MONTH

रचनात्मक भित्तिका